Journal of Integrative Science and Societal Impact
July-September 2026 2(2)
https://jissi.org

Original Article

A COMPARATIVE STUDY OF SELF-CONFIDENCE AMONG MALE AND FEMALE SECONDARY-LEVEL TEACHERS

माध्यमिक स्तर के पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास का तुलनात्मक अध्ययन

Vandana Srivastava [1*], **Dr. Lubhavani Tripathi** [2]
[1] Research Scholar, Department of Education, Kalinga University, Raipur, Chhattisgarh, India
[2] Professor, Department of Education, Kalinga University, Raipur, Chhattisgarh, India

ABSTRACT

English: It is a common societal perception that men are more self-confident, while women are relatively more hesitant. This research paper examines this perception in the context of secondary-level teachers in Bilaspur (Chhattisgarh). The study had two primary objectives: (1) to compare the self-confidence of male and female teachers, and (2) to compare the self-confidence of male and female teachers across different levels of teaching experience. Using a comparative survey method, a self-confidence scale (0–100) was administered to 100 teachers (50 men, 50 women). Data were analyzed using an independent-samples t-test, the Mann-Whitney U-test, and a two-way analysis of variance (ANOVA). No significant difference was found in the self-confidence levels of male teachers (mean = 65.74) and female teachers (mean = 66.18) ($t = -0.18$, $p = 0.859$). Furthermore, no significant effect of gender was observed across the three levels of teaching experience, and the interaction between gender and experience was also found to be non-significant ($F = 0.34$, $p = 0.715$). Consequently, both null hypotheses were accepted. In conclusion, male and female teachers at the secondary level exhibit similar levels of self-confidence.

Hindi: समाज में प्रायः यह धारणा पाई जाती है कि पुरुष अधिक आत्मविश्वासी होते हैं और महिलाएँ अपेक्षाकृत संकोची। इस शोध पत्र में इसी धारणा को बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के संदर्भ में परखा गया है। अध्ययन के दो उद्देश्य निर्धारित किए गए: (1) पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास की तुलना करना, तथा (2) शिक्षण अनुभव के विभिन्न स्तरों पर पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास की तुलना करना। तुलनात्मक सर्वेक्षण विधि के अंतर्गत 100 शिक्षकों (50 पुरुष, 50 महिला) पर आत्मविश्वास मापनी (0–100) प्रशासित की गई। आँकड़ों का विश्लेषण स्वतंत्र प्रतिदर्श t-परीक्षण, मान–व्हिटनी U-परीक्षण तथा द्वि-मार्गी प्रसरण विश्लेषण द्वारा किया गया। पुरुष शिक्षकों (मध्यमान = 65.74) एवं महिला शिक्षकों (मध्यमान = 66.18) के आत्मविश्वास में कोई सार्थक अंतर नहीं मिला ($t = -0.18$, $p = 0.859$)। शिक्षण अनुभव के तीनों स्तरों पर भी लिंग का कोई सार्थक प्रभाव नहीं पाया गया, तथा लिंग एवं अनुभव की अंतःक्रिया भी असार्थक रही ($F = 0.34$, $p = 0.715$)। अतः दोनों शून्य परिकल्पनाएँ स्वीकृत हुईं। निष्कर्षतः, माध्यमिक स्तर पर पुरुष एवं महिला शिक्षक समान रूप से आत्मविश्वासी हैं।

Keywords: Self-Confidence, Male and Female Teachers, Gender Differences, Teaching Experience, Secondary Level, Bilaspur, आत्मविश्वास, पुरुष एवं महिला शिक्षक, लिंग भेद, शिक्षण अनुभव, माध्यमिक स्तर, बिलासपुर

*Corresponding Author:
Email address: Lubhavani Tripathi (lubhawani.123@gmail.com)
Received: 16 June 2026; **Accepted:** 25 July 2026; **Published:** 31 August 2026
DOI: 10.29121/JISSI.v2.i2.2026.110
Page Number: 88-95
Journal Title: Journal of Integrative Science and Societal Impact
Journal Abbreviation: J. Integr. Sci. Soc. Impact
Online ISSN: 3108-2165, **Print ISSN:** 3108-1959
Publisher: Granthaalayah Publications and Printers, India
Conflict of Interests: The authors declare that they have no competing interests.
Funding: This research received no specific grant from any funding agency in the public, commercial, or not-for-profit sectors.
Authors' Contributions: Each author made an equal contribution to the conception and design of the study. All authors have reviewed and approved the final version of the manuscript for publication.
Transparency: The authors affirm that this manuscript presents an honest, accurate, and transparent account of the study. All essential aspects have been included, and any deviations from the original study plan have been clearly explained. The writing process strictly adhered to established ethical standards.
Copyright: © 2026 The Author(s). This work is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
With the license CC-BY, authors retain the copyright, allowing anyone to download, reuse, re-print, modify, distribute, and/or copy their contribution. The work must be properly attributed to its author.

प्रस्तावना

आत्मविश्वास का अर्थ है अपनी योग्यताओं, निर्णयों और क्षमताओं पर भरोसा करना। यह वह आंतरिक शक्ति है जो व्यक्ति को कठिन परिस्थिति में भी आगे बढ़ने का साहस देती है। एक आत्मविश्वासी व्यक्ति नई जिम्मेदारी से घबराता नहीं, अपनी बात स्पष्ट रूप से रखता है और असफलता के बाद फिर से प्रयास करता है।

शिक्षक के लिए आत्मविश्वास विशेष रूप से आवश्यक है। कक्षा में चालीस-पचास विद्यार्थियों के सामने खड़े होकर पढ़ाना, उनके अनपेक्षित प्रश्नों का उत्तर देना, अनुशासन बनाए रखना, अभिभावकों से संवाद करना और नई शिक्षण तकनीकों को अपनाना, इन सभी कार्यों में आत्मविश्वास की भूमिका होती है। इसे एक तैराक के उदाहरण से समझा जा सकता है: जो तैराक पानी पर भरोसा करता है, वह सहज होकर तैरता है; जो डरता है, वह हाथ-पैर तो चलाता है पर आगे नहीं बढ़ पाता। इसी प्रकार आत्मविश्वासी शिक्षक कक्षा में सहज रहता है और विद्यार्थियों में भी आत्मविश्वास जगाता है।

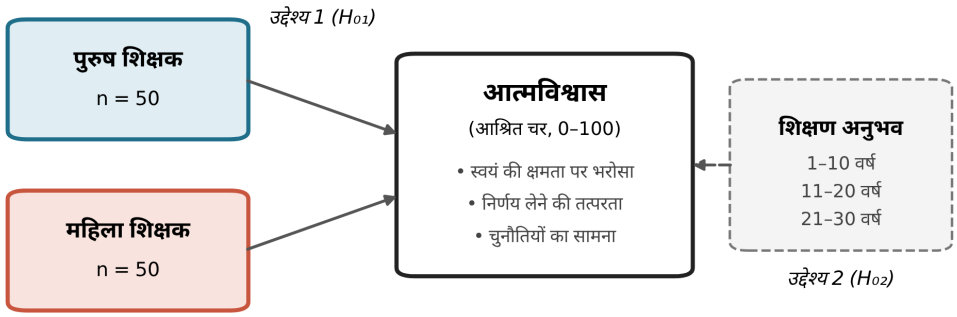
भारतीय समाज में लंबे समय तक महिलाओं को घर की चारदीवारी तक सीमित रखा गया, जिसके कारण यह धारणा बनी कि महिलाएँ सार्वजनिक भूमिकाओं में पुरुषों जितनी आत्मविश्वासी नहीं होतीं। आज शिक्षण व्यवसाय में महिलाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भी लैंगिक समानता एवं सशक्त शिक्षक पर बल देती है। ऐसे में यह जानना महत्त्वपूर्ण है कि क्या आज के पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास में वास्तव में कोई अंतर है, और क्या यह अंतर अनुभव बढ़ने के साथ बदलता है। छत्तीसगढ़ का बिलासपुर जिला, जहाँ शहरी, कस्बाई एवं ग्रामीण विद्यालय हैं, इस अध्ययन हेतु चुना गया।

प्रयुक्त पदों का अर्थ

- **आत्मविश्वास:** शिक्षक का अपनी क्षमताओं, निर्णयों एवं कार्यों पर भरोसा, जिसे इस अध्ययन में आत्मविश्वास मापनी पर प्राप्त अंकों (0–100) से मापा गया है; अधिक अंक अधिक आत्मविश्वास को दर्शाते हैं।
- **पुरुष एवं महिला शिक्षक:** बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के माध्यमिक विद्यालयों में कक्षा 9 एवं 10 को पढ़ाने वाले पुरुष एवं महिला शिक्षक।
- **शिक्षण अनुभव:** शिक्षक द्वारा शिक्षण कार्य में बिताए गए वर्ष, जिन्हें तीन स्तरों में बाँटा गया: 1–10 वर्ष, 11–20 वर्ष एवं 21–30 वर्ष।

अध्ययन की रूपरेखा

चित्र 1



चित्र 1 अध्ययन की वैचारिक रूपरेखा

शोध का औचित्य

- यह अध्ययन "पुरुष अधिक आत्मविश्वासी होते हैं" जैसी सामाजिक धारणा को आँकड़ों के आधार पर परखता है।
- यदि किसी समूह में आत्मविश्वास कम पाया जाए, तो उसके लिए विशेष प्रशिक्षण की योजना बनाई जा सकती है; यदि नहीं, तो समान अवसरों की नीति को बल मिलता है।
- छत्तीसगढ़ के संदर्भ में ऐसे अध्ययन कम हैं, अतः यह स्थानीय शैक्षिक नियोजन हेतु उपयोगी होगा।

पूर्व शोध अध्ययनों की समीक्षा

Bandura (1977) ने स्व-प्रभावकारिता की अवधारणा दी, जिसके अनुसार किसी कार्य को सफलतापूर्वक कर पाने का विश्वास व्यक्ति के प्रयास, धैर्य एवं प्रदर्शन को निर्धारित करता है। Rosenberg (1965) ने आत्म-सम्मान को व्यक्ति के स्वयं के प्रति समग्र सकारात्मक या नकारात्मक दृष्टिकोण के रूप में परिभाषित किया। Shrauger and Schohn (1995) ने आत्मविश्वास को अपनी योग्यता एवं कौशल के प्रति व्यक्ति के आकलन के रूप में समझाया और बताया कि यह व्यवहार एवं सफलता दोनों को प्रभावित करता है। भारत में Basavanna (1975) एवं Agnihotri (1987) ने आत्मविश्वास मापन हेतु मापनियाँ विकसित कीं, जिनका प्रयोग अनेक भारतीय अध्ययनों में हुआ है।

लिंग भेद के संदर्भ में Kling et al. (1999) के मेटा-विश्लेषण में पुरुषों का आत्म-सम्मान महिलाओं से थोड़ा अधिक पाया गया, परंतु अंतर बहुत छोटा था। Hyde (2005) ने "लैंगिक समानता परिकल्पना" प्रस्तुत की, जिसके अनुसार अधिकांश मनोवैज्ञानिक गुणों में पुरुष एवं महिला लगभग समान होते हैं। शिक्षकों पर Tschannen-Moran and Woolfolk Hoy (2001) ने शिक्षक प्रभावकारिता के मापन की विधि विकसित की, तथा Klassen and Chiu (2010) ने पाया कि महिला शिक्षकों में कक्षा प्रबंधन संबंधी विश्वास थोड़ा कम था और अनुभव बढ़ने के साथ शिक्षकों का विश्वास पहले बढ़ता है, फिर अंतिम वर्षों में कुछ घटता है।

शोध रिक्तता: उपर्युक्त अध्ययनों के परिणाम मिश्रित हैं, और इनमें से अधिकांश पाश्चात्य देशों में हुए हैं। छत्तीसगढ़ के माध्यमिक शिक्षकों के आत्मविश्वास की लिंग एवं शिक्षण अनुभव के आधार पर तुलना करने वाले अध्ययन बहुत कम उपलब्ध हैं। यह शोध पत्र इसी रिक्तता को भरने का प्रयास करता है।

शोध के उद्देश्य एवं परिकल्पनाएँ

तालिका 1

तालिका 1 शोध उद्देश्य, शून्य परिकल्पनाएँ एवं सांख्यिकीय विधियाँ

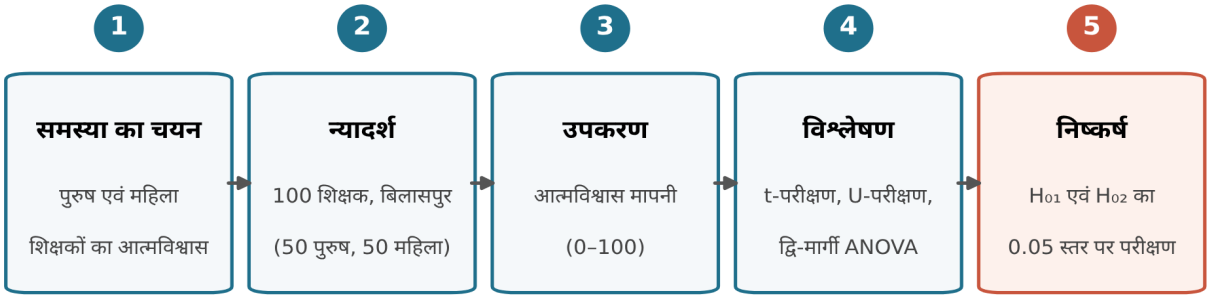
क्र.	उद्देश्य	शून्य परिकल्पना	सांख्यिकीय विधि
1	माध्यमिक स्तर के पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास का तुलनात्मक अध्ययन करना	H_{01}: माध्यमिक स्तर के पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास में कोई सार्थक अंतर नहीं है	t-परीक्षण, U-परीक्षण
2	शिक्षण अनुभव के विभिन्न स्तरों पर पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास की तुलना करना	H_{02}: शिक्षण अनुभव के विभिन्न स्तरों पर पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास में कोई सार्थक अंतर नहीं है	द्वि-मार्गी ANOVA (2 × 3)

चर: स्वतंत्र चर: लिंग (पुरुष/महिला) एवं शिक्षण अनुभव (तीन स्तर); आश्रित चर: आत्मविश्वास। **सीमांकन:** अध्ययन बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के 100 माध्यमिक शिक्षकों तक सीमित है।

शोध प्रविधि

शोध विधि: इस अध्ययन में वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि के तुलनात्मक प्रकार का प्रयोग किया गया। इसमें पहले से विद्यमान समूहों (पुरुष एवं महिला शिक्षक) के आत्मविश्वास को मापकर उनकी तुलना की जाती है, बिना किसी प्रयोगात्मक हस्तक्षेप के।

चित्र 2



चित्र 2 शोध कार्य के चरण

जनसंख्या एवं प्रतिदर्श: बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के माध्यमिक विद्यालयों के सभी शिक्षक जनसंख्या में सम्मिलित थे। प्रतिदर्श के रूप में 100 शिक्षक चुने गए, जिनमें 50 पुरुष एवं 50 महिला थे। शिक्षकों की आयु 25 से 57 वर्ष (मध्यमान 41.37) तथा शिक्षण अनुभव 2 से 29 वर्ष (मध्यमान 15.97) के बीच था।

तालिका 2

तालिका 2 लिंग एवं शिक्षण अनुभव के अनुसार प्रतिदर्श

शिक्षण अनुभव	पुरुष	महिला	कुल
1–10 वर्ष	15	15	30
11–20 वर्ष	19	19	38
21–30 वर्ष	16	16	32
कुल	50	50	100

शोध उपकरण: शिक्षकों के आत्मविश्वास के मापन हेतु **आत्मविश्वास मापनी** का प्रयोग किया गया, जिसमें स्वयं की क्षमता पर भरोसा, निर्णय लेने की तत्परता, सामाजिक परिस्थितियों में सहजता एवं चुनौतियों का सामना करने से संबंधित कथन हैं। अधिकतम प्राप्तांक 100 है।

प्रदत्त संकलन: शोधकर्त्री ने संस्था प्रमुखों से अनुमति लेकर शिक्षकों से व्यक्तिगत संपर्क किया, अध्ययन का प्रयोजन बताया तथा आश्वस्त किया कि उनकी जानकारी केवल शोध हेतु प्रयुक्त होगी। मापनी के साथ शिक्षकों से उनकी आयु एवं शिक्षण अनुभव की जानकारी भी ली गई।

सांख्यिकीय विश्लेषण: मध्यमान, मानक विचलन, विषमता, ककुदता एवं शापिरो–विल्क परीक्षण द्वारा आँकड़ों का वर्णन किया गया। लेवीन परीक्षण से प्रसरण की समानता जाँची गई। H_{01} हेतु स्वतंत्र प्रतिदर्श t-परीक्षण (प्रभाव आकार कोहेन d सहित) एवं मान–व्हिटनी U-परीक्षण, तथा H_{02} हेतु 2 × 3 द्वि-मार्गी प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया। सार्थकता स्तर 0.05 रखा गया।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं विवेचन

वर्णनात्मक विश्लेषण

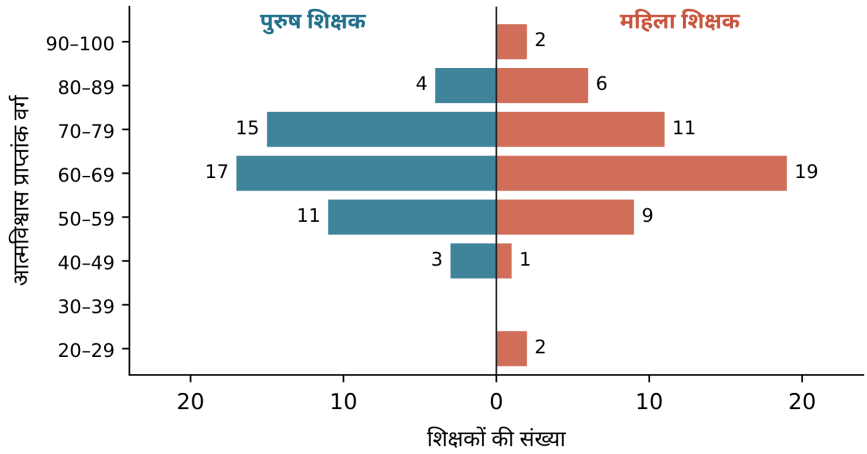
तालिका 3

तालिका 3 पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास प्राप्तांकों की वर्णनात्मक सांख्यिकी

समूह	N	मध्यमान	मानक विचलन	माध्यिका	न्यूनतम	अधिकतम	विषमता	ककुदता	शापिरो–विल्क p
पुरुष	50	65.74	10.99	65	40	89	−0.20	−0.38	0.7
महिला	50	66.18	13.56	65.5	28	91	−0.50	0.9	0.073
कुल	100	65.96	12.28	65	28	91	−0.39	0.65	0.084

विवेचन: संपूर्ण प्रतिदर्श का आत्मविश्वास मध्यमान 65.96 है, जो दर्शाता है कि शिक्षकों में सामान्य से अच्छा आत्मविश्वास है। पुरुष (65.74) एवं महिला (66.18) शिक्षकों के मध्यमान लगभग बराबर हैं। महिला शिक्षकों के अंकों का फैलाव थोड़ा अधिक है (न्यूनतम 28, अधिकतम 91), अर्थात् उनमें बहुत कम और बहुत अधिक आत्मविश्वास वाली दोनों प्रकार की शिक्षिकाएँ हैं। सभी शापिरो–विल्क p-मान 0.05 से अधिक हैं, अतः प्राप्तांक सामान्य वितरण के अनुरूप हैं।

चित्र 3



चित्र 3 पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास प्राप्तांकों का आमने-सामने वितरण

उद्देश्य 1: पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास की तुलना

H_{01}: माध्यमिक स्तर के पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

लेवीन परीक्षण (F = 0.75, p = 0.389) से दोनों समूहों के प्रसरण समान पाए गए, अतः सामान्य t-परीक्षण का प्रयोग किया गया।

तालिका 4

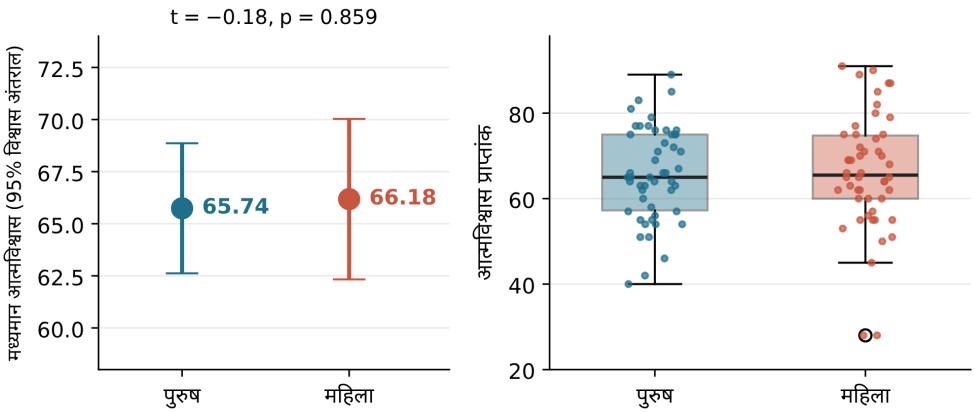
तालिका 4 पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास का *t*-परीक्षण

समूह	N	मध्यमान	मानक विचलन	मानक त्रुटि	मध्यमान अंतर	t	df	p-मान	कोहेन d
पुरुष	50	65.74	10.99	1.55	−0.44	−0.18	98	0.859	−0.04
महिला	50	66.18	13.56	1.92					

मध्यमान अंतर का 95% विश्वास अंतराल: −5.34 से 4.46; मान–व्हिटनी U = 1225, p = 0.866

विवेचन: महिला शिक्षकों का मध्यमान पुरुषों से केवल 0.44 अंक अधिक है। t-मान (−0.18) अत्यंत छोटा है और p-मान (0.859) 0.05 से बहुत अधिक है। विश्वास अंतराल में शून्य सम्मिलित है तथा कोहेन d (−0.04) नगण्य प्रभाव दर्शाता है। अतः **H_{01} स्वीकृत की जाती है।** अप्राचलिक मान–व्हिटनी परीक्षण ने भी यही परिणाम दिया। स्पष्ट है कि पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास में कोई वास्तविक अंतर नहीं है।

चित्र 4



चित्र 4 पुरुष एवं महिला शिक्षकों का मध्यमान आत्मविश्वास (बाएँ) एवं बॉक्स आरेख (दाएँ)

उद्देश्य 2: शिक्षण अनुभव के स्तरों पर पुरुष एवं महिला शिक्षकों की तुलना

H_{02}: शिक्षण अनुभव के विभिन्न स्तरों पर पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

तालिका 5

तालिका 5 शिक्षण अनुभव एवं लिंग के अनुसार आत्मविश्वास का मध्यमान (मानक विचलन)

शिक्षण अनुभव	पुरुष	महिला	कुल	t(p)
1–10 वर्ष	64.93 (12.89)	67.73 (16.39)	66.33 (14.56)	−0.52 (0.607)
11–20 वर्ष	67.95 (11.81)	65.89 (14.67)	66.92 (13.18)	0.48 (0.638)
21–30 वर्ष	63.88 (7.84)	65.06 (9.35)	64.47 (8.51)	−0.39 (0.700)

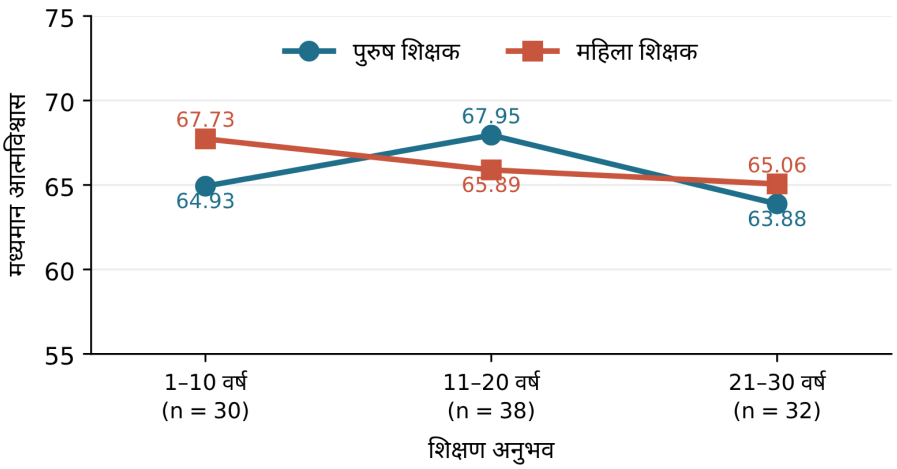
तालिका 6

तालिका 6. 2 × 3 द्वि-मार्गी प्रसरण विश्लेषण (लिंग × शिक्षण अनुभव)

प्रसरण का स्रोत	वर्गों का योग	df	माध्य वर्ग	F	p-मान	आंशिक η^2
लिंग	4.84	1	4.84	0.03	0.861	0.000
शिक्षण अनुभव	110.44	2	55.22	0.35	0.704	0.007
लिंग × अनुभव (अंत:क्रिया)	105.27	2	52.63	0.34	0.715	0.007
त्रुटि	14,703.29	94	156.42			

विवेचन: लेवीन परीक्षण (F = 1.11, p = 0.359) से छहों उप-समूहों के प्रसरण समान पाए गए। द्वि-मार्गी प्रसरण विश्लेषण में लिंग (F = 0.03, p = 0.861), शिक्षण अनुभव (F = 0.35, p = 0.704) तथा लिंग × अनुभव अंत:क्रिया (F = 0.34, p = 0.715), तीनों का प्रभाव असार्थक रहा। प्रत्येक अनुभव स्तर पर अलग से किए गए t-परीक्षण भी असार्थक रहे। अत: H_{02} **स्वीकृत की जाती है।** चित्र 5 में दोनों रेखाएँ एक-दूसरे को काटती हैं: नए शिक्षकों में महिलाएँ थोड़ा आगे हैं, मध्य अनुभव पर पुरुष थोड़ा आगे हैं और वरिष्ठ स्तर पर दोनों लगभग बराबर हैं; परंतु ये सभी अंतर 3 अंकों से कम हैं और संयोगवश हैं।

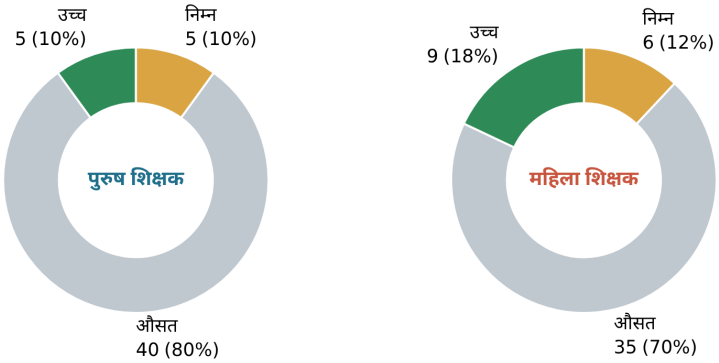
चित्र 5



चित्र 5 शिक्षण अनुभव के स्तरों पर पुरुष एवं महिला शिक्षकों का मध्यमान आत्मविश्वास

पूरक विश्लेषण: मध्यमान ± 1 मानक विचलन (65.96 ± 12.28) के आधार पर शिक्षकों को निम्न (28–53), औसत (54–77) एवं उच्च (79–91) आत्मविश्वास वर्गों में रखा गया। दोनों समूहों में अधिकांश शिक्षक औसत वर्ग में हैं (पुरुष 80%, महिला 70%), जबकि उच्च आत्मविश्वास वाली महिला शिक्षिकाएँ (18%) पुरुषों (10%) से कुछ अधिक हैं।

चित्र 6



चित्र 6 पुरुष एवं महिला शिक्षकों का आत्मविश्वास स्तरों में वितरण

शोध निष्कर्ष एवं परिचर्चा

1) बिलासपुर के माध्यमिक शिक्षकों में सामान्य से अच्छा आत्मविश्वास पाया गया (मध्यमान = 65.96)।
2) पुरुष (65.74) एवं महिला (66.18) शिक्षकों के आत्मविश्वास में कोई सार्थक अंतर नहीं है ($t = -0.18$, $p = 0.859$)।
3) शिक्षण अनुभव के तीनों स्तरों पर पुरुष एवं महिला शिक्षकों का आत्मविश्वास समान है; लिंग एवं अनुभव की अंतःक्रिया भी असार्थक है ($F = 0.34$, $p = 0.715$)।
4) उच्च आत्मविश्वास वर्ग में महिला शिक्षिकाओं का प्रतिशत (18%) पुरुषों (10%) से कुछ अधिक है।

इस अध्ययन का सबसे महत्त्वपूर्ण संदेश यह है कि "पुरुष अधिक आत्मविश्वासी होते हैं" वाली धारणा बिलासपुर के माध्यमिक शिक्षकों पर लागू नहीं होती। यह निष्कर्ष हाइड (2005) की लैंगिक समानता परिकल्पना का समर्थन करता है, और क्लिंग एवं साथियों (1999) के उस निष्कर्ष के अनुरूप है कि लिंग आधारित अंतर, यदि होते भी हैं, तो बहुत छोटे होते हैं। इसका एक संभावित कारण यह है कि शिक्षण व्यवसाय में पुरुष एवं महिला दोनों समान योग्यता परीक्षा, समान प्रशिक्षण और समान कार्य-दायित्वों से होकर गुजरते हैं। प्रतिदिन कक्षा का नेतृत्व करने का अनुभव दोनों में समान रूप से आत्मविश्वास का निर्माण करता है।

शिक्षण अनुभव के आधार पर भी आत्मविश्वास में विशेष परिवर्तन नहीं दिखा। क्लासेन एवं चिऊ (2010) ने अनुभव के साथ विश्वास में उतार-चढ़ाव पाया था, परंतु प्रस्तुत अध्ययन में यह उतार-चढ़ाव बहुत कम और असार्थक है। ऐसा प्रतीत होता है कि सेवा में आने के कुछ ही वर्षों में शिक्षक अपने कार्य में स्थिर आत्मविश्वास प्राप्त कर लेते हैं, जो पूरे सेवाकाल में बना रहता है। उच्च आत्मविश्वास वर्ग में महिलाओं का थोड़ा अधिक प्रतिशत यह संकेत देता है कि आज की शिक्षिकाएँ नेतृत्व की भूमिकाएँ निभाने के लिए पूरी तरह सक्षम हैं।

शैक्षिक उपादेयता

- **विद्यालय प्रबंधन** को विद्यालय की नेतृत्वकारी भूमिकाएँ (प्रभारी, समिति प्रमुख, परीक्षा प्रभारी) लिंग के आधार पर नहीं, बल्कि योग्यता एवं रुचि के आधार पर सौंपनी चाहिए।
- **सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों** में आत्मविश्वास-वर्धन गतिविधियाँ (प्रस्तुतीकरण, समूह-चर्चा, सहकर्मी-अवलोकन) सभी शिक्षकों के लिए समान रूप से रखी जाएँ।
- **निम्न आत्मविश्वास वाले शिक्षकों** (लगभग 11%) की पहचान कर उन्हें परामर्श एवं मार्गदर्शन (मेंटरिंग) की सुविधा दी जाए।
- **महिला शिक्षिकाओं** को प्रशासनिक एवं नेतृत्व पदों के लिए प्रोत्साहित किया जाए, क्योंकि उनका आत्मविश्वास पुरुषों के समान है।

शोध की परिसीमाएँ एवं भावी शोध हेतु सुझाव

यह शोध केवल बिलासपुर जिले के 100 माध्यमिक शिक्षकों पर आधारित है तथा आत्मविश्वास का मापन स्व-प्रतिवेदन मापनी से किया गया है। भविष्य में अन्य जिलों एवं राज्यों के बड़े प्रतिदर्श पर अध्ययन किया जा सकता है। शासकीय एवं निजी विद्यालय, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र, विषय, वैवाहिक स्थिति एवं शैक्षिक योग्यता

जैसे चरों के आधार पर तुलना की जा सकती है। आत्मविश्वास का शिक्षण प्रभावशीलता, कार्य संतुष्टि एवं विद्यार्थियों की उपलब्धि से संबंध भी अध्ययन का विषय हो सकता है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत तुलनात्मक अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि बिलासपुर (छत्तीसगढ़) के माध्यमिक स्तर के पुरुष एवं महिला शिक्षकों के आत्मविश्वास में कोई सार्थक अंतर नहीं है, चाहे वे सेवा के आरंभिक वर्षों में हों, मध्य में हों या वरिष्ठ अवस्था में। आत्मविश्वास लिंग पर नहीं, बल्कि व्यक्ति के अनुभव, प्रशिक्षण एवं अवसरों पर निर्भर करता है। अतः विद्यालयों को सभी शिक्षकों को समान अवसर, समान सम्मान एवं समान जिम्मेदारियाँ देनी चाहिए, ताकि प्रत्येक शिक्षक का आत्मविश्वास कक्षा में विद्यार्थियों के विकास में परिणत हो सके।

REFERENCES

Agnihotri, R. (1987). Manual for Agnihotri's Self-Confidence Inventory. National Psychological Corporation.

Bandura, A. (1977). Self-Efficacy: Toward a Unifying Theory of Behavioral Change. Psychological Review, 84(2), 191–215. https://doi.org/10.1037/0033-295X.84.2.191

Basavanna, M. (1975). Manual for the Self-Confidence Inventory. Rupa Psychological Centre.

Hyde, J. S. (2005). The Gender Similarities Hypothesis. American Psychologist, 60(6), 581–592. https://doi.org/10.1037/0003-066X.60.6.581

Klassen, R. M., and Chiu, M. M. (2010). Effects on Teachers' Self-Efficacy and Job Satisfaction: Teacher Gender, Years of Experience, and Job Stress. Journal of Educational Psychology, 102(3), 741–756. https://doi.org/10.1037/a0019237

Kling, K. C., Hyde, J. S., Showers, C. J., and Buswell, B. N. (1999). Gender Differences in Self-Esteem: A Meta-Analysis. Psychological Bulletin, 125(4), 470–500. https://doi.org/10.1037/0033-2909.125.4.470

Ministry of Human Resource Development. (2020). National Education Policy 2020 (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020). Government of India.

Rosenberg, M. (1965). Society and the Adolescent Self-Image. Princeton University Press.

Shrauger, J. S., and Schohn, M. (1995). Self-Confidence in College Students: Conceptualization, Measurement, and Behavioral Implications. Assessment, 2(3), 255–278. https://doi.org/10.1177/1073191195002003006

Tschannen-Moran, M., and Woolfolk Hoy, A. (2001). Teacher Efficacy: Capturing an Elusive Construct. Teaching and Teacher Education, 17(7), 783–805. https://doi.org/10.1016/S0742-051X(01)00036-1